E -100 Marks
Batch – 2023-2024

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२४

सत्र – १

विषय : विशेष साहित्यकार उपन्यासकार प्रेमचंद (भाग – १) (HC - 102)

दि.: १६/०५/२०२४ **कुल अंक : १००** **समय : दो. २.०० से दो. ५.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ उपन्यासकार प्रेमचंद जी के 'गोदान' उपन्यास के कथानक की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्र. २ 'गोदान' उपन्यास में चित्रित चरित्रों के संदर्भ में सोदाहरण जानकारी दीजिए।

प्र. ३ 'गोदान' उपन्यास में वर्णित समस्याओं को विवेचित कीजिए।

प्र. ४ 'गोदान' उपन्यास तत्कालीन सामाजिक एवं राजनीतिक स्थितियों का दर्पण हैं' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र. ५ 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

प्र. ६ 'गबन' उपन्यास में चर्चित समस्याओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्र. ७ 'गबन' उपन्यास में अभिव्यक्त नारी चरित्रों की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्र. ८ 'गबन' उपन्यास के रमानाथ के चरित्र का चित्रण करते हुए, उसके चरित्र के मनोवैज्ञानिक पक्ष को उजागर कीजिए।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१) मुझे में और आप में अंतर इतना ही है कि, मैं जो कुछ मानता हूँ, उस पर चलता हूँ।

२) देख लिया तुम्हारा न्याय और तुम्हारे अक्कल की दौड़।

३) अभी तुम्हारा राज नहीं है, तब तो तुम भोग विलास पर इतना मरते हो, तुम्हारा राज आएगा तब तो गरीबों को पीस कर पी जाओगे।

४) पुरुष मन का हो तो स्त्री उसके साथ उपवास करके भी प्रसन्न रहेगी।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) धनिया

२) भोला

३) 'गबन' की भाषा

४) 'गबन' उपन्यास का उद्देश्य